केन्द्रीय विद्यालय संगठन,
भोपालसंभाग
मैदा मिल के सामने, भोपाल-462 011
दूरभाषकमांक 2550728(D.C.)
2551678 (. स.आ.)
2551699 (प्र.अ./ले.प.एवं ले.अ.)
फैक्स: 0755-2553126
ई-मेल:acbhopal@yahoo.com

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN
BHOPAL REGION
Opp. Maida Mills,Bhopal-462011
Phone: 2550728 (DC)
2551678 (ACs)
2551699 (AO/FO)
Fax: 0755-2553126
E.Mail:acbhopal@yahoo.com

F.DO/2015-16 / केविसं / क्षे.का.भो. /

दिनांक 05.08.2015

प्रिय प्राचार्यवृंद,

मैने दिनांक 23.07.2015 को जारी अद्र्ध–शासकीय पत्र में सूचित किया है कि प्राचार्य के शैक्षणिक नेतृत्व से ही विद्यालय की उपलब्धियों एवं असफलताओं का आकलन होता है। इसी तथ्य की पुष्टि क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान भोपाल के व्याख्याता एवं प्राचार्य के द्वारा 13 जुलाई 2015 के अपने संबोधन में भी की गई। यदि यह सत्य है तो हमें प्राचार्यो के शैक्षणिक गुणों के प्रभावी उत्थान के बारे में सोचना पड़ेगा और यही हमारी प्राथमिकताएं और केन्द्रबिन्दु है। एक नेता जो अपनी प्राथमिकताएं जानता है किन्तु उसमें केन्द्रीकरण करने की शक्ति नहीं है, तो उसमें उत्कृष्टता होगी परन्तु बिना प्रगति के, लेकिन जब केन्द्रीकरण और प्राथमिकताएं दोनों को प्राप्त कर लेता है तब शतप्रतिशत गुणवत्तापूर्ण परिणाम प्राप्त होते है।

अक्सर मेरी आपसे ऐसे प्राचार्य के रूप मुलाकात होती है जो छोटे कार्यों में बड़ा समय लगाते हैं । यदि आप अपना सौ प्रतिशत पास लक्ष्य के स्थान पर सारा समय मरम्मत/रखरखाव एवं खरीद की प्रक्रिया जैसे कार्यों के अध्ययन में लगाते हैं तो इसका कोई खास अर्थ नहीं है । यह आपकी शक्ति नहीं है अपितु उर्जा और समय को व्यर्थ सा करना है। आप अपने समय और उर्जा को कैसे केन्द्रित करें इसके लिए निम्न सुझाव है:

1. **70 प्रतिशत ध्यान अपनी सामर्थ्य पर दें :** अपने समय का 70 प्रतिशत यह केन्द्रित करने पर लगाए कि आप क्या उच्चतर कर सकते है ना कि आप क्या निम्नतर करते है । यह एक बडा रहस्य है कि प्रायः व्यक्ति अपने कार्यो को बहुत निम्नतर तरीके से करते है परन्तु कभी–कभी कुछ कार्य अच्छे तरीके से भी करते हैं। अयोग्यता एक मात्र सार्वभौमिक सत्य है। सामर्थ्य हमेशा ही विशिष्ट होता है। सफल होने के लिए अपने सामर्थ्य पर ध्यान केन्द्रित करिए और उसमें निरन्तर वृद्धि कीजिए । इसी में आप अपनी समस्त उर्जा, समय और संसाधनों का उपयोग करे । निश्चित ही यह भाव शैक्षणिक विकास को प्राप्त करने का उपाय होगा ।
2. **25 प्रतिशत ध्यान नवीन जानकारी की प्राप्ति में केन्द्रित करें :** विकास परिवर्तन के समकक्ष है। यदि आप बेहतर प्राप्त करना चाहते है तो आपको स्वयं को लगातार परिवर्तित और उन्नत करते रहना होगा। इसका अर्थ है कि शैक्षणिक तकनीकों एवं कार्यशैली के नवीन क्षेत्रों में अपने कदम बढ़ाने होंगे। आप तब एक नेता के रूप में विकसित हो पाएंगे, जब आप अपने समय एवं सामर्थ्य का प्रयोग नवीन जानकारी प्राप्त करने के लिए लगाएगें। यह ध्यान रखें कि यदि आप स्वयं उन्नत होगें तब निश्चित ही आप शैक्षणिक विकास की राह पर भी अग्रसर होगें।
3. **5 प्रतिशत ध्यान अपनी कमजोरियों पर दे :** अपनी कमजोरियों को पूरी तरह नजर अंदाज नहीं किया जा सकता। परन्तु उसे 5 प्रतिशत या उससे कम तक ला पाना संभव है। शिक्षकों एवं स्टाफ के सदस्यों को प्रतिनिधित्व प्रदान करके यह किया जा सकता है। उक्त आधार पर आप स्वयं का आकलन अपने केन्द्रित लक्ष्य के लिए किस प्रकार करते हैं ? क्या आप छोटे कार्यो को बड़े कार्यो के रूप में देख रहे हैं ? क्या

आपने अपना अधिकतम समय अपनी कमजोरियों से उबरने में लगा दिया जिससे आप अपनी क्षमताओं की अभिवृद्धि में असफल हो गए ?

4. **समय का न्यायोचित उपयोग :–** अपने समय का उपयोग शिक्षण, लेखन और स्टाफ के मार्गदर्शन में लगाएं। यह आपके मूल्यों में वृद्धि करता है। आप यह जानते हैं कि जिस वस्तु का प्रयोग नहीं होता वह नष्ट हो जाती है। आप यदि ऐसा नहीं कर रहे हैं तो वर्तमान में क्या खोते जा रहे हैं ? ज्ञान की ज्योति दूसरों को प्रज्ज्वलित करने में अपना कुछ नहीं खोती है। एक व्यक्ति तब सम्मानित नहीं होता, जब वह प्राप्त करता है, वरन् तब सम्मानित होता है जब वह प्रदान करता है। सफल जीवन का उच्चतम स्तर देने में ही निहित है। अपने स्टाफ के मन से जुड़ने के लिए अपने कानों का प्रयोग करें । इससे पहले कि आप उनके दिल तक पहुंचे, आप एक मार्गदर्शक के रूप में यह जान लें कि उनके अन्दर क्या है ? यह आप उनकी बातों को सुनकर ही जान सकते हैं। यह दो गुना लाभ प्रदान करता है, पहला उनकी मदद करने का और दूसरा उनको समझने का। आपको यह सुझाव दिया जाता है कि केवल तथ्यों का न सुने अपितु उस व्यक्ति को भी सुनने की कोशिश करे, जो उन विचारों को व्यक्त करता है । बेकार की आलोचनाओं में समय व्यर्थ मत करिए। सफल नेता वह होता है जो उन ईटों को भी नींव में प्रयोग कर लेता है जो उस पर फेंकी जाती है। इस प्रकार के सुझाव तभी प्रभावी होते है जब इनका प्रयोग समग्र रूप से होता है और इससे आपकी शैक्षिक अभिक्षमता में भी वृद्धि होती है और आपकों अदभुत सफलता प्राप्त होती है ।

यह पत्र उपायुक्त महोदय के अर्द्धशासकीय पत्र दिनांक 27.07.2015 के हिन्दी अनुवाद का प्रयास है। शीध्र पावती की अपेक्षा के साथ।

शुभकामनाओं सहित,

सादर

डा. श्रीमती बी.कौर
सहायक आयुक्त

प्राचार्य
समस्त केन्द्रीय विद्यालय,
भोपाल संभाग

प्रतिलिपिः

सहायक आयुक्त, के.वि.सं., भोपाल संभाग को सूचना एवं आवश्यक कार्रवाही हेतु।